

DRDO ने Su-30 MK-I से लंबी दूरी के ग्लाइड बम 'गौरव' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने भारतीय वायु सेना के Su-30 MK-I प्लेटफॉर्म से लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (LRGB), GAURAV का सफल पहला उड़ान परीक्षण किया है।



मुख्य बिंदु

- ❖ यह परीक्षण ओडिशा के तट पर किया गया। गौरव एक हवाई बम है जो एक हजार किलोग्राम वजन का ग्लाइड बम है जो लंबी दूरी पर स्थित लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है।
- ❖ इसे हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।
- ❖ उड़ान परीक्षण के दौरान, ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को सटीक सटीकता के साथ मारा।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

- ❖ भारत सरकार ने 1958 में तीन संगठनों को मिलाकर DRDO का गठन किया:
 - तकनीकी विकास निदेशालय
 - तकनीकी विकास
 - रक्षा विज्ञान संगठन
- ❖ 1960 में प्रोजेक्ट इंडिगो, DRDO का पहला प्रोजेक्ट था जिसे बिना किसी सफलता के बंद कर दिया गया था।

डीआरडीओ की प्रमुख परियोजनाएं

एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम

- ❖ यह मिसाइलों की व्यापक रेंज के विकास के लिए 1980 और 2007 के प्रारंभ में आयोजित एक मिसाइल विकास कार्यक्रम था।
- ❖ IGMDP के अंतर्गत आने वाली मिसाइलों में अग्नि मिसाइल, पृथ्वी बैलिस्टिक मिसाइल, आकाश मिसाइल, त्रिशूल मिसाइल और नाग मिसाइल शामिल हैं।

पिनाका: मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर

- ❖ पिनाका भारतीय सेना के लिए DRDO द्वारा निर्मित और विकसित एक मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर है। उन्नत संस्करण की मारक क्षमता 60 किमी है और यह 44 सेकंड में 12 अत्यधिक विस्फोटक रॉकेट दाग सकता है।

ब्रह्मोस मिसाइल

- ❖ ब्रह्मोस एक मध्यम दूरी की रैमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे हवा, पानी और जमीन से लॉन्च किया जा सकता है।
- ❖ इसे ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित किया गया है, जो भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रॉयेनिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है।

अर्जुन MBT Mk 1A टैंक

- ❖ अर्जुन MBT Mk 1A मुख्य युद्धक टैंक (MBT) को DRDO द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया था। यह अर्जुन Mk 1A MBT का अपग्रेड था

रुस्तम UAV

- ❖ रुस्तम एक मध्यम ऊंचाई वाला लंबा सहनशक्ति वाला मानव रहित हवाई वाहन (UAV) है जिसे डीआरडीओ द्वारा खुफिया जानकारी, निगरानी, टोही, लक्ष्य प्राप्ति/ट्रैकिंग और छवि शोषण के लिए विकसित किया गया है।

स्वदेशी डेंगू वैक्सीन, डेंगीऑल के साथ भारत में पहला डेंगू वैक्सीन चरण 3 क्लिनिकल परीक्षण

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) और पैनेशिया बायोटेक ने भारत में डेंगू वैक्सीन के लिए पहले चरण 3 क्लिनिकल परीक्षण शुरू करने की घोषणा की है।



मुख्य बिंदु

- ❖ यह ऐतिहासिक परीक्षण पैनासिया बायोटेक द्वारा विकसित भारत के स्वदेशी टेट्रावैलेंट डेंगू वैक्सीन, डेंगीऑल की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करेगा।
- ❖ इस परीक्षण में भाग लेने वाले पहले प्रतिभागी को पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (PGIMS), रोहतक में टीका लगाया गया था।

- ❖ वर्तमान में, भारत में डेंगू के खिलाफ कोई एंटीवायरल उपचार या लाइसेंस प्राप्त टीका नहीं है। सभी चार सीरोटाइप के लिए अच्छी प्रभावकारिता प्राप्त करने की आवश्यकता के कारण एक प्रभावी टीके का विकास जटिल है।
- ❖ भारत में, डेंगू वायरस के सभी चार सीरोटाइप कई क्षेत्रों में प्रसारित या सह-परिचालित होने के लिए जाने जाते हैं।
- ❖ टेरावेलेंट डेंगू वैक्सीन स्ट्रेन (TV003/TV005), जो मूल रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH), यूएसए द्वारा विकसित किया गया है, ने दुनिया भर में प्रीक्लिनिकल और क्लिनिकल परीक्षणों में आशाजनक परिणाम दिखाए हैं।
- ❖ ICMR के सहयोग से, पैनेशिया बायोटेक भारत के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 19 साइटों पर चरण 3 नैदानिक परीक्षण आयोजित करेगा, जिसमें 10,335 से अधिक स्वस्थ वयस्क प्रतिभागी शामिल होंगे।

स्पष्टभूमि:

- ❖ भारत में डेंगू एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है, जो इस बीमारी की सबसे अधिक घटनाओं वाले शीर्ष 30 देशों में से एक है।
- ❖ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, पिछले दो दशकों में डेंगू की वैश्विक घटना लगातार बढ़ रही है, 2023 के अंत तक 129 से अधिक देशों में डेंगू वायरल बीमारी की रिपोर्ट की जा रही है।
- ❖ भारत में, लगभग 75-80% संक्रमण स्पर्शोन्मुख हैं, फिर भी ये व्यक्ति एडीज मच्छरों के काटने से संक्रमण फैला सकते हैं।
- ❖ 20-25% मामलों में जहां लक्षण चिकित्सकीय रूप से स्पष्ट होते हैं, बच्चों में अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर का जोखिम काफी अधिक होता है।

डेंगू या रीढ़ की हड्डी का बुखार/ डेंगू या बैकबोन बुखार

- ❖ उष्णकटिबंधीय वायरल रोग मादा एडीज एजिप्टी और अन्य संबंधित प्रजातियों द्वारा फैलता है। एक बार संक्रमित मच्छर जीवन भर संक्रामक रहता है।
- ❖ **रोगजनक** : फ्लेवी वायरस या टोगा वायरस एकल फंसे हुए आरएनए के साथ।
- ❖ ऊष्मायन अवधि: 3 - 8 दिन।

- ❖ **हस्तांतरण** : एडीज एजिप्टी के काटने से।

लक्षण:

- ❖ क्लासिकल डेंगू में
 - तेज बुखार, सिरदर्द, जोड़ों में तेज दर्द, मतली, उल्टी और छाती और ऊपरी अंगों पर चकत्ते।
- ❖ रक्तसावी डेंगू में
 - क्लासिकल डेंगू के सभी लक्षण और त्वचा, मसूड़ों, गैस्ट्रो-आंत्र पथ के माध्यम से रक्तस्राव।

इलाज

- ❖ मच्छरों के उन्मूलन द्वारा रोकथाम
- ❖ टूरनिकेक्ट टेस्ट से इसका पता लगाया जा सकता है।

भारत 23 अगस्त को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाएगा

भारत पिछले साल 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा और इसके दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में पहुंचने वाला पहला देश बन गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का सम्मान करने के लिए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने **23 अगस्त को "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस"** के रूप में घोषित किया।



मुख्य बिंदु

- ❖ भारत 23 अगस्त को अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस **"चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा"** थीम के साथ मना रहा है।
- ❖ अंतरिक्ष दिवस से पहले, असंख्य कार्यक्रम सामने आएंगे, जो अंतरिक्ष में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों, समाज को होने वाले गहन लाभों और जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ने के असीमित अवसरों पर प्रकाश डालेंगे।
- ❖ इन समारोहों का समापन 22-23 अगस्त को नई दिल्ली में मुख्य कार्यक्रम में होगा, इसरो के एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और बेंगलुरु में यू आर राव उपग्रह केंद्र के निदेशक।

नीलकुरिंजी IUCN की लाल सूची में शामिल

नीलाकुरिन्जी (स्ट्रोबिलैन्थेस कुंथियाना), बैंगनी रंग का फूल वाला झाड़ी, जो 12 साल में एक बार खिलता है, को IUCN (इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर) की खतरे वाली प्रजातियों की आधिकारिक लाल सूची में शामिल किया गया है।



मुख्य बिंदु

- ❖ दक्षिण पश्चिम भारत के पर्वतीय घास के मैदानों की इस प्रमुख प्रजाति के लिए यह अब तक का पहला वैश्विक रेड लिस्ट मूल्यांकन है।
- ❖ नवीनतम वैश्विक मूल्यांकन IUCN की कमजोर (मानदंड A2c) श्रेणी में इसकी खतरे की स्थिति की पुष्टि करता है।
- ❖ फूलों का सामूहिक रूप से खिलना एक बड़ा पर्यटक आकर्षण है। हाल ही में **इडुक्की के पीरुमाडे में खिलने** की सूचना मिली थी, हालांकि व्यापक प्रसार में नहीं।
- ❖ नीलकुरिंजी को मुख्य रूप से पर्वतीय उच्च ऊंचाई वाले घास के मैदानों में इसके नाजुक निवास स्थान के कारण खतरा है, जिस पर चाय और नरम लकड़ी के बागानों के लिए रूपांतरण और शहरीकरण का दबाव है।
- ❖ नीलकुरिंजी का वास्तविक क्षेत्रफल 220 वर्ग किमी और विस्तार 25,510 वर्ग किमी है। इस प्रजाति की दक्षिण-पश्चिम भारत की उच्च ऊंचाई वाली पर्वत श्रृंखलाओं के 14 पारिस्थितिक क्षेत्रों में 34 उप-आबादी है।

नीलकुरिंजी (ब्लू स्ट्रोबिलैन्थेस) के बारे में -

- ❖ स्ट्रोबिलैन्थेस कुंथियाना तीन मीटर ऊंचाई का एक स्थानिक झाड़ी है, जो केवल 1,340-2,600 मीटर की ऊंचाई पर दक्षिण-पश्चिम भारत के पांच पहाड़ी परिदृश्यों के उच्च ऊंचाई वाले शोला घास के मैदान पारिस्थितिकी तंत्र में देखा जाता है।

- ❖ अपने बड़े पैमाने पर खिलने के लिए जाने जाने वाले, वे पहाड़ी घास के मैदानों को बैंगनी नीला रंग प्रदान करते हैं और लोकप्रिय रूप से नीलकुरिंजी (ब्लू स्ट्रोबिलैन्थेस) खिलने के रूप में जाने जाते हैं।
- ❖ वे जीवन चक्र के अंत में हर **12 साल में दिखावटी समकालिक रूप से खिलते और फलते हैं**, जिसके बारे में 1832 से रिपोर्ट किया गया है।

उत्तर भारत की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर परियोजना मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में शुरू की गई

पहले सौर संयंत्रों में से एक, जो 90 मेगावाट क्षमता के साथ, ओंकारेश्वर बांध पर भारत के सबसे बड़े और दुनिया के सबसे बड़े 600 मेगावाट के फ्लोटिंग सौर ऊर्जा पार्क का एक हिस्सा है, चालू कर दिया गया है।



मुख्य बिंदु

- ❖ यह मध्य और उत्तर भारत में भारत की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर परियोजना है।
- ❖ प्रथम चरण में ओंकारेश्वर बांध पर कुल 278 मेगावाट क्षमता के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इस 278 मेगावाट में से, NHDC को 88 मेगावाट क्षमता वाला एक संयंत्र विकसित करना है, AAMP एनर्जी 100 मेगावाट का संयंत्र विकसित करेगी, और 90 मेगावाट बिजली मंत्रालय के तहत अनुसूची ए, CPSU, SJVN को आवंटित किया गया था।
- ❖ SJVN का 90 मेगावाट का संयंत्र 8 अगस्त को पूरा और चालू हो गया।
- ❖ 600MW फ्लोटिंग पावर प्लांट दो चरणों में बनाया जा रहा है। पहले चरण में 278 मेगावाट का संयंत्र शामिल है, और शेष को दूसरे चरण में विकसित किया जाएगा।
- ❖ परियोजना पूरी तरह से पूरी होने पर ओंकारेश्वर बांध के लगभग 12 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करेगी। संयंत्र से अपनी स्थापित क्षमता के मुकाबले लगभग 23 प्रतिशत बिजली का उत्पादन होने की उम्मीद है, जो सौर ऊर्जा स्टेशनों के लिए अधिक है, क्योंकि औसतन, वे अपनी स्थापित क्षमता के मुकाबले 21% ऊर्जा का उत्पादन करते हैं।

लघु समाचार

- ❖ केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने नई दिल्ली में केंद्रीय जल आयोग (CWC) द्वारा विकसित 'फ्लडवॉच इंडिया' मोबाइल एप्लिकेशन का संस्करण 2.0 लॉन्च किया।
- ❖ पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने घोषणा की कि पीआर श्रीजेश जूनियर भारत हॉकी टीम के मुख्य कोच बनेंगे।
- ❖ तुर्की के एक प्राचीन स्थल गोबेकली टेपे के पुरातत्वविदों ने दुनिया का सबसे पुराना कैलेंडर खोजा है।
- ❖ राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगूभाई पटेल ने प्रोफेसर स्मिता सहस्रबुद्धे को राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर का कुलपति नियुक्त किया है।
- ❖ NHPC लिमिटेड ने श्री राज कुमार चौधरी को अपना नया अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है।
- ❖ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का JUICE (JUperiter ICy मूनस एक्सप्लोरर) मिशन 19 और 20 अगस्त, 2024

को एक अभूतपूर्व चंद्र-पृथ्वी फ्लाइबाई का प्रयास करने के लिए तैयार है।

- ❖ सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी "भारत में महिला और पुरुष 2023" रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत का लिंग अनुपात 2011 में प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 महिलाओं से बढ़कर **2036 तक प्रति 1,000 पुरुषों पर 952 महिलाओं तक पहुंच जाएगा।**
- ❖ ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर ने पेनल्टी शूटआउट में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी को 5-3 से हराकर हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला अकादमी चैम्पियनशिप में महिलाओं का खिताब जीता।
- ❖ भारतीय एयरलाइन विस्तार (टाटा SIA एयरलाइंस लिमिटेड) भारत/दक्षिण एशिया 2024 में सर्वश्रेष्ठ एयरलाइन है।
- ❖ गृह मंत्रालय (एमओएचए) ने भारत-बांग्लादेश सीमा (IBB) पर वर्तमान स्थिति की निगरानी के लिए सीमा सुरक्षा बल (BSF) और भारतीय सेना (IA) की पूर्वी कमान के अतिरिक्त महानिदेशक (ADG) रवि गांधी की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय समिति का गठन किया है।

दैनिक करेंट अफेयर्स से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न

1. स्वदेशी डेंगू वैक्सीन "डेंगीऑल" निम्नलिखित में से किस संगठन द्वारा विकसित किया गया था?

- (a) सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया
- (b) पैनेशिया बायोटेक
- (c) भारत बायोटेक
- (d) ज़ाइडस कैडिला

उत्तर- (b)

2. उत्तर भारत की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर परियोजना निम्नलिखित में से किस स्थान पर शुरू की गई?

- (a) ओंकारेश्वर बांध
- (b) सरदार सरोवर बांध
- (c) हीराकुंड बांध
- (d) भाखड़ा नागल बांध

उत्तर - (a)

○○○○

